श्री क्षीरेश्वर महादेव ज्योतिर्लिङ्ग

माता क्षीरेश्वरी देवी

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 8 अंक 271 | लखनऊ,बुधवार, 24 अप्रैल , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

''बढ़ती आबादी, घटते पेड़ से धरती का संकट''

लखनऊ। हमे ज्ञात है कि पिछले पांच-वर्षो में देश की आबादी लगभग छह करोड़ बढ़ गई है जो पूर्व में 2015 में 127 करोड़ थी अब वर्ष 2019 में बढ़कर लगभग 131 करोड़ हो गई। वहीं पांच वर्षो में विश्व की आबादी में 33 करोड़ का इजाफा हुआ है जो वर्ष 2015 में 738 करोड़ थी जो अब बढ़कर 771 करोड़ हो चुकी है। बढ़ी आबादी का सीधा असर प्रकृति पर मौजूद प्राकृतिक सम्पदा को खत्म करने पर सीधे पड़ रहा है।

आबादी का सबसे बड़ा खतरा उन क्षेत्रों में है जहां की आबादी घनी होती जा रही है। सीमित क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन कम पड़ने लगे हैं। अभी पानी का संकट दिखने लगा है। प्रदूषण ने भी अपना भीषण असर दिखाना शुरू कर दिया है। यदि समय रहते न चेते तो उपलब्ध पानी और हवा के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। ये बाते पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्कूल ऑफमैनेजमेण्ट साईसेज, लखनऊ में छात्र-छात्राओं में चेतना जगाने हेतु कही गयी। आज दिनांक 22 अप्रैल, 2019 को पृथ्वी दिवस के अवसर पर धरती को हरा-भरा रखने, इसे प्रदूषण मुक्त करने हेतु आवश्यक कदम उठाने, व अधिक से अधिक पेड़ लगाने तथा पृथ्वी की सम्पदा के दोहन को कम करने एवं पानी बचाने के प्रयास हेतु डॉ0 मनोज मेहरोत्रा-निदेशक, व डॉ0 भरत राज सिंह पर्यावरणविद् व महानिदेशक ने अपने व्यक्तव्य में वचनबद्धता की प्रेरणा देते समय की। इस अवसर पर संस्था के कुलसचिव, श्री टी0पी0सिंह एवं विभागाध्यक्ष तथा प्राचार्य एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।